गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 082
दि. 21.07.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

मैं 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा; मॉनसून सत्र के पहले ही दिन पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर ऐसे साधा निशाना

मॉनसून सत्र के पहले दिन पीएम मोदी ने पहले प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 को ऑर्बिट में भेजने वाली कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया उनकी औसत उम्र 28 साल है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन पीएम मोदी ने राहुल गांधी की उम्र को लेकर तंज कसा। मॉनसून सत्र के पहले दिन सोमवार मीडिया ब्रीफ्रिंग में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस (एक प्राइवेट स्पेस कंपनी जिसने हाल ही में भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' को ऑर्बिट में पहुंचाकर इतिहास रचा) की टीम के सदस्यों की औसत उम्र 28 साल है। इसके बाद उन्होंने कहा कि वह किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहे हैं। यह राहुल गांधी की ओर इशारा था, जिनकी उम्र 56 साल ही है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले मैं 56 साल के युवा व्यक्ति की बात

साल मॉनसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा था और हाल में एक भारतीय युवा स्टार्टअप ने असाधारण उपलब्धि हासिल की। पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक महीने में देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनसे देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और अंतरिक्ष क्षेत्र तक फैली हुई हैं।

मुझे बताया गया है कि स्काईरूट स्टार्टअप में काम करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष है। इन्हीं युवा दिमागों ने यह संभव बनाया है। नहीं कर रहा हूं। मैं एक ऐसे स्टार्टअप की बात कर रहा हूं जिसकी टीम की औसत आयु केवल 28 साल है और जिसने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का झंडा गाड़ दिया है।

मोदी का इशारा शनिवार को स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की ओर था। कंपनी ने इस रॉकेट के जरिये कई प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पेलोड को सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में स्थापित किया। इसके साथ ही भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी ऑर्बिटल प्रक्षेपण क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में ऐसे गिने-चुने देश ही हैं जहां निजी कंपनियों ने इस तरह की क्षमता का प्रदर्शन किया है।

रेलवे, एक्सप्रेसवे और हाईवे... पीएम मोदी की 5470 करोड़ की सौगात से बदलेगी पंजाब की तस्वीर, 12 जिलों को सीधा फायदा

(जीएनएस)।

बीजेपी पंजाब अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जालंधर दौरे को राज्य के विकास का ऐतिहासिक पड़ाव बताया है. उन्होंने कहा कि 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से पंजाब के 12 जिलों को सीधा लाभ मिलेगा. अमृत भारत स्टेशन योजना, नई रेल सेवाएं, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, ग्रीनफील्ड हाईवे और लुधियाना बाईपास जैसी परियोजनाओं से संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी, यात्रा का समय घटेगा और व्यापार, निवेश व रोजगार को नई रफ्तार मिलेगी. ढिल्लों ने दावा किया कि मोदी सरकार की विकास योजनाएं पंजाब के हर क्षेत्र तक पहुंच रही हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देंगी.

प्रधानमंत्री मोदी के हाथों शुरू और घोषित की गई 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं पंजाब के 12 जिलों की तस्वीर बदलने का काम करेंगी.

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया पंजाब दौरे को राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है. उन्होंने कहा कि 17 जुलाई को जालंधर में प्रधानमंत्री मोदी के हाथों शुरू और घोषित की गई 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं पंजाब के 12 जिलों की तस्वीर बदलने का काम करेंगी. इन परियोजनाओं से आधुनिक रेलवे स्टेशनों, नई रेल सेवाओं, एक्सप्रेसवे और ग्रीनफील्ड राजमार्गों के माध्यम से राज्य के 12 जिलों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा.

ढिल्लों ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस दौरे का महत्व केवल परियोजनाओं की लागत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि विकास की यह धारा पंजाब के प्रत्येक प्रमुख क्षेत्र तक पहुंची है. उन्होंने कहा, ह्यदोआबा से माझा और मालवा तक, राज्य के 12 जिलों को ऐसी आधारभूत संरचना मिली है, जिससे संपर्क बेहतर होगा, यात्रा समय कम होगा, व्यापार को गति मिलेगी और निवेश व रोजगार के

नए अवसर पैदा होंगे.ह्व उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जालंधर, एसएएस नगर (मोहाली), रूपनगर और श्री मुक्तसर साहिब के रेलवे स्टेशनों का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया गया है.

ढिल्लों ने कहा कि 830 करोड़ रुपये की दौलतपुर चौक-करटोली रेल लाइन से होशियारपुर जिले को सीधा लाभ मिलेगा. वहीं अमृतसर को अमृतसर (छेहरटा)-वाराणसी संत रविदास एक्सप्रेस की नई सेवा मिली है, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. इसके अलावा करटोली-अंबाला रेल सेवा शुरू होने से पंजाब की रेल कनेक्टिविटी और मजबूत होगी.

उन्होंने कहा कि दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे जालंधर, कपूरथला, तरनतारन, अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट जैसे जिलों के लिए गेमचेंजर साबित होगा. इससे यात्रा का समय घटेगा, माल ढुलाई की लागत कम होगी और व्यापारिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलेगी.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 1,570 करोड़ रुपये की आईटी सिटी-कुराली ग्रीनफील्ड हाईवे और अंबाला-चंडीगढ़ ग्रीनफील्ड हाईवे की पीआर-7 स्पर परियोजना से मोहाली और रूपनगर को बड़ा फायदा होगा. उनका कहना है कि इससे यह क्षेत्र उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शहरी विकास के बड़े केंद्र के रूप में और मजबूत होगा.

उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिणी लुधियाना बाईपास की आधारशिला रखे जाने से शहर में ट्रैफिक का दबाव कम होगा और औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी. इससे लुधियाना, बठिंडा और अन्य प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा.

ढिल्लों ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान घोषित परियोजनाओं का लाभ जालंधर, मोहाली, रूपनगर, श्री मुक्तसर साहिब, होशियारपुर, अमृतसर, लुधियाना, कपूरथला, तरनतारन, गुरदासपुर, पठानकोट समेत कई जिलों को मिलेगा. उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार पंजाब के समग्र विकास को प्राथमिकता दे रही है.

उन्होंने कहा, ह्यप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यों से साबित किया है कि पंजाब का विकास राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल है. ये परियोजनाएं राज्य की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देंगी, संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाएंगी और रोजगार व निवेश के नए अवसर पैदा करेंगी.

मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी की विपक्ष से अपीलः 'सदन में हंगामा नहीं, तर्क और तथ्य से हो बहस'

संसद के मानसून सत्र की शुरूआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से सदन में सकारात्मक सहयोग की अपील की है. उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि संसद में हंगामे के बजाय तर्क और तथ्यों के आधार पर बहस होनी चाहिए, क्योंकि यह सत्र देश के कई महत्वपूर्ण विधेयकों के लिए ऐतिहासिक हो सकता है. प्रधानमंत्री ने वैश्विक युद्ध जैसे हालात और पश्चिम एशिया के तनाव के बीच भी भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि की सराहना की.

आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे प्रधानमंत्री मोदीं

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 20 जुलाई (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया।

प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, "आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है।"

पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, "प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥" भी साझा किया है, जिसका हिंदी अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है तथा समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय प्राप्त

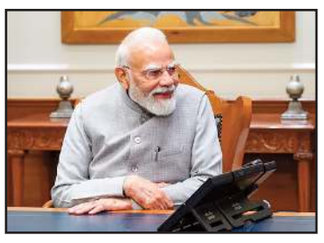

करता है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था, "आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बहुत बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं।"

पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, "प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते।।" भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उस पूर्ण समर्थन या नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

प्रधानमंत्री की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था।

सिंधु जल समझौते पर गिड़गिड़ाया पाकिस्तान, भारत के कड़े रुख के बाद अब कनाडा से मांगी मदद

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सोमवार को नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच सिंधु जल संधि की बहाली के लिए कनाडा से समर्थन मांगा। इस्लामाबाद में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में डार ने कहा कि भारत ने समझौते को स्थगित करके पहले से ही अस्थिर सुरक्षा स्थिति में एक नया आयाम जोड़ दिया है।

(जीएनएस)।

इस्लामाबादः पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार ने सोमवार को सिंधु जल संधि समझौते को बहाल करने के लिए कनाडा से मदद मांगी।उन्होंने दो दिन की पाकिस्तान यात्रा पर पहुंचीं कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ इस्लामाबाद में एक संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए यह मदद मांगी। डार ने कहा कि भारत ने समझौते को स्थगित करके पहले से ही अस्थिर सुरक्षा हालात को और ज्यादा खराब कर दिया है।

सिंधु जल संधि क्या है?

सिंधु जल संधि (1960) भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुआ एक समझौता है।

यह सिंधु घाटी की छह नदियों के पानी के बंटवारे को नियंत्रित करता है, जिसके तहत पूर्वी नदियां भारत को और पश्चिमी नदियां मुख्य रूप से पाकिस्तान को आवंटित की गई हैं।

इस संधि के तहत भारत को रावी, ब्यास और सतलुज का पूरा पानी मिला है।

जबकि पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब का 80 प्रतिशत पानी मिला है।

भारत ने सिंधु जल संधि को क्यों निलंबित किया?

भारत ने अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद इस संधि को निलंबित कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। भारत ने कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक यह संधि निलंबित रहेगी। भारत ने दो टूक लहजे में कहा है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।

इशाक डार ने भारत पर क्या आरोप लगाए?

सोमवार को डार ने दावा किया कि अप्रैल 2025 में संधि को स्थगित करने की घोषणा करके भारत ने "पहले से ही अस्थिर सुरक्षा स्थिति में एक नया पहलू जोड़ दिया है"।

डार ने कहा, "हम कनाडा समेत अपने मित्र देशों से समर्थन चाहते हैं ताकि भारत के साथ सिंधु जल संधि को तुरंत बहाल किया जा सके, पानी के हथियार के तौर पर इस्तेमाल को खत्म किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय कानून व परंपराओं के अनुसार अंतरराष्ट्रीय कानून एवं संधि की शर्तों का पालन किया जा सके।"

'पीएम मोदी देश के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री', राहुल गांधी का बड़ा हमला, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर भी घेरा

राहुल गांधी ने पेपर लीक के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक के दोषियों पर कार्रवाई नहीं हो रही, जबकि अपने अधिकारों की आवाज उठाने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज और हिरासत जैसी कार्रवाई की जा रही है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठएएळ-वऋ और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह विफल रही है, लेकिन इसके बावजूद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा तक नहीं लिया गया।

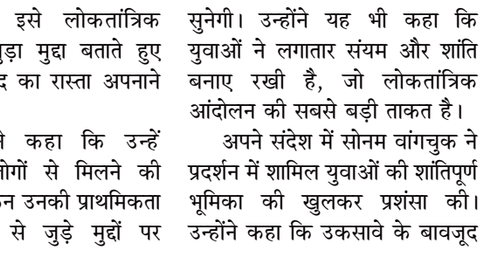

राहुल गांधी ने दावा किया कि देश में अब तक 152 पेपर लीक की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े घोटाले के बावजूद किसी भी दोषी को सजा नहीं मिली, जबकि इसकी सबसे बड़ी कीमत मेहनत करने वाले छात्रों को चुकानी पड़ रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

'छात्रों पर लाठी, दोषी आजाद'

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जब छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर अपनी आवाज उठाई, तो सरकार ने उनकी बात सुनने के बजाय लाठीचार्ज और हिरासत का सहारा लिया। राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं, जबकि अपने अधिकारों की मांग करने वाले छात्रों को घसीटा और पीटा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं - इतने युवा विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक, 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित, और सजा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को। और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए - तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत।

राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार सिर्फ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही, बल्कि उन पर टूट पड़ी है।

सोनम वांगचुक का अनशन जारी, नहीं तोड़ा उपवास, क्या फिर से जाएंगे जंतर-मंतर?

(जीएनएस)।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में जारी विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च के बीच सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बड़ा संदेश जारी किया है। उन्होंने साफ कहा है कि जब तक युवा प्रतिनिधियों को संसद भवन में सांसदों से मिलकर अपनी बात रखने की अनुमति नहीं मिलती, तब तक वह अपना अनशन जारी रखेंगे।

वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर सरकार से शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करने और छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। वहीं, संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प तथा लाठीचार्ज की खबरों ने पूरे घटनाक्रम को और गरमा दिया है।

सोनम वांगचुक ने अपने संदेश में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसे देखते हुए उन्होंने अनशन जारी रखने का फैसला किया है। उनका कहना है कि जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलकर अपनी शिकायतें रखने की अनुमति नहीं मिलती,

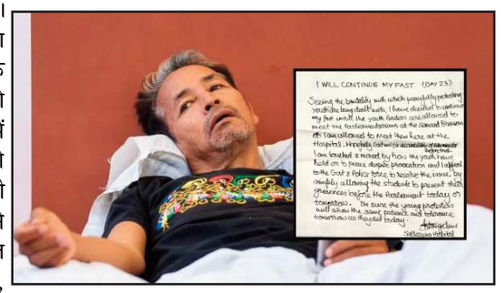

तब तक उनका अनशन खत्म नहीं होगा। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताते हुए सरकार से संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की।

वांगचुक ने कहा कि उन्हें अस्पताल में लोगों से मिलने की अनुमति है, लेकिन उनकी प्राथमिकता शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही तय होना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी तय करेगी और छात्रों की मांगों को गंभीरता से सुनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं ने लगातार संयम और शांति बनाए रखी है, जो लोकतांत्रिक आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत है।

अपने संदेश में सोनम वांगचुक ने प्रदर्शन में शामिल युवाओं की शांतिपूर्ण भूमिका की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उकसावे के बावजूद छात्रों ने धैर्य और अनुशासन नहीं छोड़ा। वांगचुक ने सरकार और दिल्ली पुलिस से अपील की कि प्रदर्शनकारियों को संसद के सामने अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए, ताकि विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकल सके। उन्होंने भरोसा जताया कि छात्र आगे भी अहिंसक तरीके से आंदोलन जारी रखेंगे।

जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैरिकेडिंग और कई प्रतिबंध लगाए गए। जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और झड़प हुई। घटनास्थल से लाठीचार्ज की खबरें भी सामने आईं, जिसके बाद पूरे विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के केंद्र में है विकसित राष्ट्र बनाने की रेस

अमित शाह की कायंशैली की रणनीति आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब सुशासन, सुरक्षा और सहकारिता जैसे विषय राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के वेंद्र में हैं। अमित शाह की कायंशैली इन तीनों क्षेत्रों को परस्पर पूरक मानती है। भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में वुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहते, बल्कि शासन, प्रशासन और नीतिगत व्रियान्वयन की दिशा भी निर्धारित करते हैं। वेंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ऐसे ही नेताओं में शामिल हैं, जिनकी कायंशैली को सुशासन, सुरक्षा और सहकारिता के त्रिस्तरीय मॉडल के रूप में देखा जा सकता है। पिछले वुछ वर्षों में उनकी भूमिका केवल एक राजनीतिक रणनीतिकार तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने प्रशासनिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के क्षेत्रों में भी अपनी स्पष्ट छाप छोड़ी है। अमित शाह की कायंशैली का सबसे प्रमुख आधार परिणामोन्मुख प्रशासन है। वे नीतियों की घोषणा से अधिक उनके प्रभावी व्रियान्वयन और समयबद्ध परिणामों पर बल देते हैं। गृह मंत्रालय के कार्यो की नियमित समीक्षा, तकनीक आधारित निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था उनके प्रशासनिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है। उनका मानना है कि किसी भी नीति की सफलता केवल उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके धरातल पर प्रभावी व्रियान्वयन में निहित होती है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच समन्वय को विशेष महत्व दिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में अमित शाह की रणनीति बहुआयामी रही है। आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध और सीमा सुरक्षा जैसे विषयों पर उन्होंने कठोर एवं स्पष्ट नीति अपनाने का प्रयास किया है। सुरक्षा के प्रश्न को उन्होंने केवल कानून-व्यवस्था का विषय न मानकर राष्ट्रीय विकास और स्थिरता से जोड़ा है। उनका दृष्टिकोण यह रहा है कि जहाँ सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं निवेश, रोजगार और विकास की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी। इसी सोच के तहत सुरक्षा ढाँचे के आधुनिकीकरण, खुफिया तंत्र की मजबूती और राज्यों के साथ समन्वित कार्रवाई पर विशेष बल दिया गया है। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत के संदर्भ में भी उनकी रणनीति उल्लेखनीय रही है। इन क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ विकास, बुनियादी ढाँचे और जनभागीदारी को समान महत्व देने की नीति अपनाई गई। इसका उद्देश्य केवल शांति स्थापित करना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक स्थिरता सुनिति करना भी रहा है। यह दृष्टिकोण बताता है कि अमित शाह सुरक्षा को विकास का आधार मानते हैं, न कि उसका विकल्प। अमित शाह की कायंशैली का तीसरा महत्वपूर्ण स्तंभ सहकारिता है। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद इस क्षेत्र को नई ऊर्जा और नई दिशा देने का प्रयास किया गया। उनका मानना है कि भारत की आर्थिक शक्ति का वास्तविक आधार गाँव, किसान, महिला समूह और छोटे उद्यमी हैं। यदि इन्हें संगठित एवं सशक्त बनाया जाए, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन संभव है। इसी उद्देश्य से प्राथमिक वृषि त्रण समितियों (ज्पए) के विस्तार, सहकारी संस्थाओं के डिजिटलीकरण, भंडारण क्षमता बढ़ाने और बहु-राज्यीय सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में कई पहलें की गई हैं। सहकारिता के माध्यम से आर्थिक लोकतंत्रीकरण का विचार अमित शाह की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका प्रयास रहा है कि छोटे किसान, उत्पादक और ग्रामीण समुदाय केवल लाभाथा न बनें, बल्कि विकास प्रव्रिया के सव्रिय भागीदार बनें। इस दृष्टि से सहकारिता को उन्होंने सामाजिक पूंजी, आर्थिक सशत्तिकरण और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाने का प्रयास किया है। यह मॉडल विशेष रूप से ग्रामीण भारत को सशत्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की संभावनाओं को बढ़ाने में सहायक माना जा रहा है। अमित शाह की कायंशैली में निर्णय क्षमता एक विशेष तत्व के रूप में दिखाई देती है। वे जटिल विषयों पर भी स्पष्ट रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं।

फीफा वर्ल्ड कप जीतने पर स्पेन को मिली कितनी इनामी राशि? पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की नेट वैल्यू से ज्यादा रकम?

(जीएनएस)।

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खत्म होने के साथ ही साल का सबसे बड़ा खेल इवेंट भी समाप्त हो गया। स्पेन ने इस कड़े मुकाबले में अर्जेंटीना को 1-0 से पराजित कर दिया। दोनों हाफ में टीमों को कोई गोल करने का मौका नहीं मिला लेकिन एक्स्ट्रा टाइम में स्पेन ने गोल दाग दिया।

इवेंट के बाद अब एक बड़ा सवाल यह है कि जीत दर्ज करने वाली स्पेनिश टीम को प्राइज के रूप में कितने रुपये मिले होंगे। यह एक ऐसी रकम है, जो हैरान करती है। स्पेन और अर्जेंटीना दोनों ही टीमों को भारी-भरकम राशि इनाम के तौर पर मिली है।

स्पेन की इनामी राशि

सबसे ज्यादा पैसे स्पेन की टीम को मिले हैं। टाइटल विनर होने के नाते स्पेनिश टीम को 481 करोड़ रुपये की बड़ी रकम मिली है। क्रिकेट में तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की नेट वैल्यू

(400-600 करोड़) इतनी है। स्पेन को एक इवेंट जीतने पर यह बड़ी राशि मिल गई है।

अर्जेंटीना को मिला अच्छा पैसा

दूसरी तरफ अर्जेंटीना भी इनामी राशि जीतने के मामले में पीछे नहीं रही है। अर्जेंटीना को स्पेन के मुकाबले थोड़े कम पैसे मिले हैं। लियोनेल मेसी की टीम ने तकरीबन 318 रुपये की बड़ी राशि बतौर इनाम जीत ली है। यहां तीसरे और चौथे स्थान की टीमों को भी अच्छा पैसा मिला है।

सेमीफाइनल की दो टीमों ने भी जीते करोड़ों

फ्रांस को पराजित करते हुए इंग्लैंड की टीम ने अपना अभियान तीसरे स्थान पर खत्म किया था। हौठे स्थान पर फ्रांस की टीम रही। इंग्लैंड को 280 करोड़ से ज्यादा की धन राशि मिली है। दूसरी तरफ फ्रांस की टीम ने 260 करोड़ की बड़ी रकम हासिल की है।

इनामी राशि में हुई भारी वृद्धि

पिछले 16 सालों में विनर की धन राशि में काफी वृद्धि देखने को मिली है। साल 2010 तक जीत दर्ज करने वाली टीम को इनाम के तौर पर करीबन 290 करोड़ की रकम मिली थी। अब 481 करोड़ तक यह आंकड़ा पहुंच गया है। इसका मतलब

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे छिपे कड़वा सच एक बार फिर आया सामने श्वेता क्वात्रा के साथ गंदी हरकत

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे छिपे कड़वे सच समय-समय पर सामने आते रहते हैं। कई कलाकार अपने करियर के शुरूआती दिनों में ऐसे अनुभवों से गुजरते हैं, जिनके बारे में सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। हाल ही में टीवी की फेमस एक्ट्रेस श्वेता क्वात्रा ने भी कई साल बाद अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कास्टिंग काउच से जुड़े चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

श्वेता क्वात्रा ने खोली इंडस्ट्री की पोल, सामने रखा काला सच

श्वेता क्वात्रा ने एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा है कि मुंबई में काम की तलाश के दौरान उनका सामना कई ऐसे लोगों से हुआ था, जिनकी नीयत बिल्कुल ठीक नहीं थी। हालांकि उन्होंने कहा कि किस्मत और भगवान की कृपा से वह किसी भी गलत जाल में फंसने से बच गई थीं।

'नए कलाकारों का उठाया जाता है फायदा'

'कहानी घर घर की' में पल्लवी और 'कुसुम' में ईशा जैसे दमदार नेगेटिव किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस श्वेता क्वात्रा ने हाल ही में एक्टर शाइनी नारंग के पॉडकास्ट में अपने करियर के शुरूआती दौर के मुश्किल अनुभव शेयर किए हैं।

'ऑडिशन देने वाले ऑफिस में बेड लगे होते थे'

-श्वेता ने बताया कि जब वह काम की तला में मुंबई में ऑडिशन दे रही थीं, तब उन्हें कई बार ऐसे लोगों का सामना करना पड़ा था, जो कलाकारों का फायदा उठाने की कोशिश करते थे। उनके मुताबिक इस तरह की परिस्थितियां अक्सर एजेंट या बीच के लोगों (मीडियेटर्स) की वजह से पैदा होती थीं। श्वेता ने बताया कि कुछ तथाकथित कास्टिंग ऑफिस ऐसे भी थे, जहां माहौल बेहद असहज होता था। ऑडिशन देने वाले ऑफिस में ही बेड लगे होते थे।

-श्वेता क्वात्रा के इस शॉकिंग खुलासे ने इंडस्ट्री से लेकर आम लोगों तक के बीच में हलचल मचा दी है। एक्ट्रेस के इस बयान के बाद से ही लोग उनके बारे में गूगल में तरह तरह की बातें सर्च कर रहे हैं। साथ ही उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर भी कई तरह की चर्चा की जा रही है। लोग उनकी जाति और धर्म पर भी सवाल कर रहे हैं।

क्या है श्वेता क्वात्रा की जाति?

एक्ट्रेस श्वेता क्वात्रा मुख्य रूप से एक पंजाबी परिवार से आती हैं। क्वात्रा कोई अलग जाति नहीं है बल्कि पंजाबी खत्री समुदाय के अंतर्गत आने वाला एक प्रमुख गोत्र

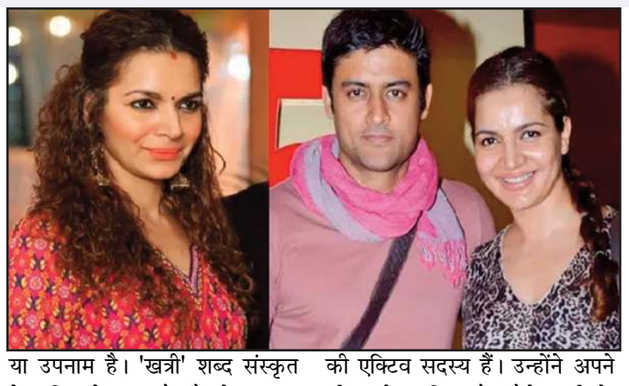

या उपनाम है। 'खत्री' शब्द संस्कृत के क्षत्रिय से आया है और ये समुदाय ऐतिहासिक रूप से भारत के उत्तरी राज्यों विशेषकर पंजाब से जुड़ा है। खत्री समुदाय मुख्य रूप से कारोबार और प्रशासन से जुड़ा रहा है।

कौन-सा धर्म फॉली करती हैं श्वेता?

श्वेता क्वात्रा बौद्ध धर्म का पालन करती हैं और वह 'सोका गक्काई' की एक्टिव सदस्य हैं। उन्होंने अपने जीवन के कठिन दौर जैसे शादी के विरोध और पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरने में बौद्ध धर्म के दर्शन और मंत्र जाप को काफी मददगार बताया है।

श्वेता क्वात्रा के पति मानव गोहिल की जाति-धर्म क्या है?

-मानव गोहिल गुजरात से ताल्लुक रखते हैं और उनका संबंध मूल रूप से 'गोहिल' समुदाय से है, जो मुख्य रूप से क्षत्रिय या राजपूत वंश के अंतर्गत आता है। गोहिल (गुहिल) एक प्रमुख चंद्रवंशी या सूर्यवंशी क्षत्रिय (राजपूत) राजवंश और जाति है, जिसका मुख्य विस्तार राजस्थान, गुजरात (विशेषकर गोहिलवाड़ क्षेत्र) और मध्य प्रदेश में है। 'गोहिल' का शाब्दिक अर्थ 'गौ रक्षक' (गायों की रक्षा करने वाला) होता है। ये वही प्राचीन राजवंश है जिसने आगे चलकर मेवाड़ के गुहिल और सिसोदिया वंश के रूप में प्रसिद्धि पाई थी।

-इतिहासकार मानते हैं कि इस वंश के संस्थापक गुहदत्त (गुहिल) थे, जिन्होंने छठी सदी में ईडर (उत्तरी गुजरात) के जंगलों में अपने राज्य की नींव रखी थी। बाद में इनकी एक शाखा सौराष्ट्र (गुजरात) की ओर बढ़ गई और भावनगर, पालीताना तथा राजपीपला जैसी प्रमुख रियासतों पर शासन किया।

-मानव गोहिल भी बौद्ध धर्म (विशेषकर निशिरन बौद्ध धर्म) का पालन करते हैं। वह अपनी पत्नी श्वेता क्वात्रा के साथ इस धर्म के अनुयायी हैं और उनका मानना है कि इससे उन्हें अपने जीवन और पेशेवर करियर के तनाव को शांत करने में मदद मिलती है।

मानव गोहिल और श्वेता क्वात्रा की शादी

मानव गोहिल और श्वेता क्वात्रा ने 26 दिसंबर 2004 को शादी की थी। दोनों की मुलाकात मशहूर सीरियल 'कहानी घर घर की' के सेट पर हुई थी। उनके रिश्ते की शुरूआत दोस्ती से हुई और लगभग साढ़े तीन साल तक डेट करने के बाद उन्होंने शादी का फैसला किया था। कपल की एक बेटी भी है, जिसका नाम जारा तबीथा है।

जे पी नड्डा फैमिली: 45 दिन की कैद, बंगाली पूर्व एमपी की बेटी से शादी, कौन हैं पत्नी और दो बेटे की राजस्थानी बहुएं?

(जीएनएस)।

दिल्ली में सोमवार यानी 20 जुलाई 2026 को NEET-UG पेपर लीक मामले में CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) के प्रोटेस्ट में बड़ा मोड़ आया। सीजेपी ने अपने समर्थकों के साथ जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च किया। इसमें छात्र की आवाज को बुलंद करने राजनीति, सिनेमा हस्तियां भी नजर आईं। समाजवादी पार्टी के सांसद का हुजूम जुटा। एक तरफ, अभिनेत्री शबाना आजमी, अभिनेता प्रकाश राज भी ससंद कूच करते नजर आए।

दूसरी तरफ, कॉकरोच जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल की भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा है। इस बीच, नड्डा पूरी तरह सुर्खियों में छा गए। करीब 9 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले नड्डा, मोदी सरकार के लिए कितने मजबूत स्तंभ हैं और उनके परिवार में कौन-कौन है? आइए विस्तार से जानते हैं...

जेपी नड्डा का जन्म 2 दिसंबर 1960 को बिहार के पटना में ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके पिता डॉ. नारायण लाल नड्डा पटना यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और रांची यूनिवर्सिटी के

कुलपति रह चुके थे। वहीं, मां कृष्णा नड्डा हाउस वाइफ थीं। जेपी नड्डा की प्रारंभिक शिक्षा सेंट जेवियर्स स्कूल पटना से हुई। इसके बाद, पटना कॉलेज से बीए किया और हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी शिमला से छछइ पूरी की।

तैराकी में चैंपियन, 45 दिन की कैद, मोदी सरकार में बने खासमखास

साल 11 दिसंबर 1991 को जेपी नड्डा की शादी मध्य प्रदेश के जबलपुर जन्मी डॉ. मल्लिका बनर्जी से हुई।

बचपन में वे तैराक थे और दिल्ली में अखिल भारतीय जूनियर तैराकी चैंपियनशिप में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। 1975 में आपातकाल के दौरान जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन से जुड़े। पटना यूनिवर्सिटी में अइशढ से सक्रिय हुए और 1977 में छात्र संघ के सचिव चुने गए।

साल 1987 में केंद्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे। उस वक्त कांग्रेस विरोधी अभियान के लिए जेपी नड्डा को 45 दिन कैद में बिताने पड़े थे। 1989 में इखढ युवा मोर्चा के चुनाव प्रभारी बने। 1991 में मात्र 31 साल की उम्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने।

छोटे बेटे हरीश नड्डा की 25 जनवरी 2023 को जयपुर के बड़े होटल कारोबारी रमाकांत शर्मा की बेटी रिद्धि शर्मा से शादी हुई।

हिमाचल प्रदेश से तीन बार (1993-98, 1998-2003, 2007-2012) विधायक चुने गए। स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, वन, पर्यावरण जैसे विभागों में मंत्री रहे। 2014-19 तक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री रहे और 2020 से इखढ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। नड्डा का सफर छात्र राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक का है। वे मोदी सरकार के विश्वसनीय सहयोगी माने जाते हैं।

बड़े बेटे गिरीश नड्डा की फरवरी 2020 में राजस्थान के हनुमानगढ़ के बिजनेसमैन अजय ज्याणी की बेटी प्राची से शादी की।

साल 11 दिसंबर 1991 को जेपी नड्डा की शादी मध्य प्रदेश के जबलपुर जन्मी डॉ. मल्लिका बनर्जी से हुई। मल्लिका, पूर्व लोकसभा सांसद (जबलपुर) और भाजपा नेता रही जयश्री बनर्जी की बेटी हैं। इनके पिता भी फर्र से जुड़े रहे। शादी के बाद डॉ. मल्लिका ने नड्डा उपनाम अपना लिया। डॉ. मल्लिका नड्डा एक शिक्षाविद्, इतिहासकार और सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

बड़े बेटे गिरीश नड्डा की पत्नी प्राची।

खास बात यह है कि जेपी नड्डा की तरह मल्लिका का भी हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी से गहरा नाता है। वजह है- मल्लिका इस यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में लंबे वक्त तक काम कर चुकी हैं। इतना ही नहीं, अइशढ की सक्रिय सदस्य रहीं और 1988 से 1999 तक अइशढ की राष्ट्रीय महासचिव भी रहीं।

2002 में डॉ. मल्लिका ने हिमाचल प्रदेश चैप्टर ऑफ स्पेशल ओलंपिक्स भारत की स्थापना की। स्पेशल ओलंपिक्स भारत की चेयरपर्सन हैं और एशिया-पैसिफिक एडवाइजरी काउंसिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। चेतना संस्थान चलाती हैं, जो बिलासपुर (हिमाचल) में विकलांगों, महिलाओं के सशक्तिकरण और युवा विकास पर काम करता है। डॉ. मल्लिका को डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि समेत कई सम्मान मिल चुके हैं।

आपको बता दें कि जेपी नड्डा और डॉ. मल्लिका के दो बेटे हैं। दोनों की शादी राजस्थान में हुई है। बड़ी बहू बिजनेसमैन की बेटी है, तो दूसरी बड़े होटल कारोबारी की बेटी है। आइए विस्तार से जानते हैं...

एमबीए की पढ़ाई पूरी कर चुके बड़े बेटे गिरीश नड्डा एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत हैं। फरवरी 2020 में राजस्थान के हनुमानगढ़ के बिजनेसमैन अजय ज्याणी की बेटी प्राची से शादी की। बताया जा रहा है कि प्राची उनकी बचपन की साथी हैं। लेकिन वन इंडिया इस तथ्य पर दावा नहीं करता है। इनकी शादी में बड़े-बड़े राजनीतिक दिग्गज मौजूद रहे। 15 दिनों तक तीन राज्यों में 12 भव्य समारोह हुए, इसमें 25,000 से अधिक अतिथि शामिल हुए।

लंदन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई पूरी करने वाले छोटे बेटे हरीश नड्डा दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत करते हैं। 25 जनवरी 2023 को जयपुर के बड़े होटल कारोबारी रमाकांत शर्मा की बेटी रिद्धि शर्मा से शादी हुई। यह शादी भी राजस्थान में आयोजित हुई।

तंगहाली भी नहीं रोक सकी रास्ता! मजदूरी कर के क्रैक की नीट परीक्षा, दिल छू लेगी सूरज की कहानी

(जीएनएस)।

सफलता केवल अच्छे संसाधनों से नहीं, बल्कि मजबूत इरादों, कड़ी और निरंतर मेहनत से हासिल होती है। राजस्थान के अलवर जिले के रहने वाले सूरज सैनी ने यह बात अपनी उपलब्धि से साबित कर दी है। आर्थिक तंगी, पारिवारिक परेशानियों और मजदूरी के बीच पढ़ाई जारी रखते हुए उन्होंने NEET UG 2026 में 583 अंक हासिल कर शानदार सफलता दर्ज की है। सूरज को 99.16 परसेंटाइल मिला है।

सूरज के पिता घरों में पेंटिंग का काम करते हैं, जबकि खुद सूरज भी पढ़ाई के साथ-साथ सफेदी और पुताई का काम कर परिवार की मदद करते थे। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने डॉक्टर बनने के सपने को कभी नहीं छोड़ा। उनकी सफलता अब उन लाखों छात्रों के लिए प्रेरणा बन गई है, जो मुश्किल हालात में भी अपने लक्ष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

कौन हैं सूरज? सरकारी स्कूल से की है पढ़ाई

सूरज सैनी ने अपनी शुरूआती पढ़ाई सरकारी स्कूल से पूरी की। उन्होंने 10वीं में 87 प्रतिशत और 12वीं में 85 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। पढ़ाई में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने मेडिकल की तैयारी शुरू की और ठएएळ वक्र 2026 में 583 अंक प्राप्त किए। सूरज का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उनके पिता परिवार से अलग रहते हैं। ऐसे में घर के खर्च में मदद करने के लिए सूरज ने मकानों में पेंटिंग और पुताई का काम सीखा। स्कूल की छुट्टियों, रविवार और खाली समय में वह मजदूरी कर कुछ पैसे जुटाते थे। बाकी समय पढ़ाई को देते थे।

मौसी से मिली डॉक्टर बनने की प्रेरणा

सूरज की मौसी अठट नर्स हैं। उन्हें देखकर ही सूरज के मन में डॉक्टर बनने और लोगों की सेवा करने का सपना जागा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 11वीं कक्षा में बायोलॉजी सब्जेक्ट चुना और पूरी मेहनत के साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी की। NEET UG 2026 में सूरज ने 583 अंक, 99.16 परसेंटाइल, 16,569वीं ऑल इंडिया रैंक (AIR) और 7,800वीं डइउ रैंक हासिल की है। इस प्रदर्शन के बाद उनके लिए अच्छे सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिले की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। उनकी कहानी यह दिखाती है कि कठिन परिस्थितियां भी उस व्यक्ति का रास्ता नहीं रोक सकतीं, जो अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से मेहनत करता है।

मोटापे ने बर्बाद की जिंदगी, पागलपन में कराई लिपोसक्शन सर्जरी हुई दर्दनाक मौत

(जीएनएस)।

तेलुगू सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस आरती अग्रवाल ने बेहद कम उम्र में स्टारडम हासिल कर लिया था। अपनी मासूम मुस्कान, शानदार एक्टिंग और लगातार हिट फिल्मों के दम पर उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई थी लेकिन पर्दे पर सफलता की बुलंदियां छूने वाली इस एक्ट्रेस की निजी जिंदगी दर्द, विवाद और हेल्थ संबंधी परेशानियों से घिरती चली गई।

सुनील शेट्टी के साथ किया था डांस परफॉर्मेंस

सिर्फ 31 साल की उम्र में आरती अग्रवाल की अचानक हुई मौत ने पूरी इंडस्ट्री को शॉक्ड कर दिया था। एक्ट्रेस आरती अग्रवाल का जन्म अमेरिका के न्यू जर्सी में हुआ था। आरती जब 14 साल की थी तब पेन्सिलवेनिया सिटी के फिलाडेल्फिया में हुए एक इवेंट के दौरान बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने उन्हें स्टेज पर डांस करने के बुलाया था। आरती का जबरदस्त डांस देखकर सुनील शेट्टी ने उनके पिता से कहा था कि उन्हें अपनी बेटी को बॉलीवुड एक्ट्रेस बनाना चाहिए।

16 साल की उम्र में ग्लैमर वर्ल्ड में डेब्यू और अफेयर में दरार

-जानकारी के अनुसार आरती अग्रवाल ने सिर्फ 16 साल की उम्र में फिल्मों में डेब्यू किया था। उन्होंने साल 2001 में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'पागलपन' में काम किया था। इसके बाद इसी साल उन्होंने फिल्म 'नुव्वु नाकु नचव' से साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

-आरती ने साउथ की कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया और कई बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर किया। उन्होंने चिरंजीवी, नागार्जुन, महेश बाबू, रवि तेजा, जूनियर एनटीआर, प्रभास सहित कई फेमस एक्टर्स के साथ फिल्मों में काम किया है। आपको बता दें कि आरती ने अपने करियर में तेलुगू, तमिल और हिन्दी सहित करीब 25 फिल्मों में काम किया था।

-कई रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि साल 2005 में को-स्टार तरुण के साथ लव अफेयर में दरार आने के बाद आरती अग्रवाल ने खुद की जान लेने की कोशिश भी की थी। इस खबर ने उस समय इंडस्ट्री में हलचल मचा दी थी।

आरती अग्रवाल ने कराई थी लिपोसक्शन सर्जरी

-जानकारी के अनुसार आरती अग्रवाल मोटापे की बीमारी से ग्रस्त थी और मौत होने के एक महीने पहले ही उन्होंने लिपोसक्शन सर्जरी कराई थी। इस सर्जरी की मदद से उनके बॉडी से अतिरिक्त फैट को हटाया गया था। हालांकि हैदराबाद के एक डॉक्टर ने उन्हें सर्जरी न करने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने डॉक्टर की बात नहीं मानी। कहा जाता है कि इस सर्जरी के बाद से ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी। उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी।

-आपको बता दें कि आरती अग्रवाल, लिपोसक्शन सर्जरी के लिए न्यू जर्सी के एक अस्पताल में भर्ती थीं, जहां उनका एक और बड़ा ऑपरेशन होना था लेकिन पहली सर्जरी के बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी थी और इलाज चलने के दौरान एक दिन उनकी अचानक मौत हो गई।

मोटापे और फेफड़ों की बीमारी ने ले ली आरती की जान

आरती अग्रवाल की मौत के बाद उनके मैनेजर ने न्यूज एजेंसीज को बताया था कि वह मोटापे और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रही थीं, जिसका इलाज भी चल रहा था। इसी दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई। आपको बता दें कि आरती अग्रवाल ने सर्जरी के लिए पहले हैदराबाद के एक डॉक्टर को अप्रोच किया था लेकिन उन्होंने इस ऑपरेशन को करने से साफ इनकार कर दिया था।

डिप्रेशन की वजह से बढ़ने लगा था मोटापा

कहा जा रहा है कि आरती को फिल्मों के ऑफर मिलना बंद हो गए थे, जिसकी वजह से वह डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। पैसों की कमी को लेकर भी वह परेशान रहने लगी थीं। इसकी वजह से उनका मोटापा बढ़ता जा रहा था। इस मोटापे के चलते वह कई बीमारियों से जूझने लगी थीं। ऐसे में इन सबसे निजात पाने के लिए उन्होंने सर्जरी कराने का फैसला किया लेकिन इसी वजह से उनकी जान चली गई।

31 की उम्र में हुई थी आरती अग्रवाल की मौत

आरती अग्रवाल ने साल 2015 में न्यू जर्सी में इस दुनिया को अचानक ही अलविदा कह दिया था। उस समय वह केवल 31 साल की थीं। जानकारी के अनुसार मौत के एक दिन पहले आरती अग्रवाल की फिल्म 'रानम-2' रिलीज हुई थी। ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज, पति, सास और ससुर पर गंभीर आरोप

विवाहिता के पिता की तहरीर पर करेली थाने में एफआईआर, अतिरिक्त दहेज की मांग और हत्या का आरोप

(जीएनएस)। जनपद पीलीभीत के थाना करेली क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला 20 जुलाई 2026 को दर्ज हुई एफआईआर से संबंधित है।

पुलिस में दर्ज तहरीर के अनुसार, मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह 25 अप्रैल 2026 को हिंदू रीति-रिवाज से किया था और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। इसके बावजूद विवाह के बाद ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग की जाने लगी। मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ लगातार मारपीट और उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत में कहा गया है कि मृतका ने कई बार अपने पिता को दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने की जानकारी दी थी। आरोप है कि अंततः पति, सास और ससुर ने मिलकर विवाहिता की हत्या कर उसे फांसी पर लटका दिया, ताकि घटना को आत्महत्या का रूप दिया जा सके।

पुलिस ने मामले में पति, सास और ससुर के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 80(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं 3 और 4 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी (सीओ) बीसलपुर को सौंपी गई है।

डामर सड़क किनारे उगी झाड़ियां बढ़ा रहीं दुर्घटना का खतरा

ग्रामीणों ने की शीघ्र सफाई की मांग

(जीएनएस)। अमानीगंज से मल्हौलीहर खाडनजा भदेसर हरिहरपुर गांव को जोड़ने वाली डामर सड़क के दोनों ओर उगी घनी झाड़ियां राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। झाड़ियां के कारण कई स्थानों पर सड़क की दृश्यता प्रभावित हो रही है, जिससे आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क किनारे लंबे समय से झाड़ियों की सफाई नहीं कराई गई है। परिणामस्वरूप कई जगह झाड़ियां सड़क तक फैल गई हैं, जिससे सामने से आने वाले वाहनों को समय रहते देख पाना मुश्किल हो जाता है। विशेष रूप से मोड़ों पर स्थिति अधिक गंभीर है, जहां दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

ग्रामीण राहुल कुमार विपीन कुलदीप और बाबा ऊरफ अशीष सचीन सोनू रवी कुमार राज कुमार करन ने बताया कि बरसात के मौसम में झाड़ियां और तेजी से बढ़ जाती हैं। रात के समय दृश्यता कम होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई छोटे हादसे हो चुके हैं, लेकिन संबंधित विभाग ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है।

ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग और प्रशासन से मांग की है कि सड़क किनारे उगी झाड़ियों की तत्काल कटाई-छंटाई कराई जाए, ताकि मार्ग सुरक्षित बनाया जा सके और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

भाजपा सरकार युवाओं, छात्रों और लोकतांत्रिक आवाजों के प्रति असंवेदनशीलः विनय यादव

(जीएनएस)। बिल्हौर कानपुर

समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं की लगातार अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के अहंकार में सरकार विरोध की हर आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है।

विनय यादव ने कहा कि नीट परीक्षा में सामने आई गंभीर अनियमितताओं और पेपर लीक प्रकरण ने लाखों छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। इस पूरे घटनाक्रम से कई परिवार गहरे सदमे में हैं, लेकिन सरकार की ओर से संवेदनशीलता का कोई परिचय नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि युवा अपनी समस्याओं को लेकर सरकार तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं तो उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें डराने-धमकाने की नीति अपनाना उचित नहीं है।

सपा नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में लगातार विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे मेहनती युवाओं का विश्वास सरकारी भर्ती प्रक्रिया से उठता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने में असफल रही है, जिससे ऐसे मामलों पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है।

विनय यादव ने कहा कि प्रदेश और देश का नौजवान रोजगार के अवसरों की कमी से परेशान है। नियमित सरकारी भर्तियों की गति बेहद धीमी है, जबकि आउटसोर्सिंग व्यवस्था को बढ़ावा देकर युवाओं के हितों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मांग की कि भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए तथा युवाओं को समयबद्ध तरीके से रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों, युवाओं और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले प्रत्येक नागरिक की आवाज का सम्मान होना चाहिए और सरकार को अहंकार छोड़कर जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।

विनय यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में व्यवस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों से लेकर सार्वजनिक संस्थानों तक सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान सरकार इस मोर्चे पर भी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के समय अनुपस्थित अधिकारियों पर की सख्ती, एक दिन का वेतन रोकने के दिए निर्देश

उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में कलेक्ट्रेट के 25 कर्मचारी मिले अनुपस्थित, जिलाधिकारी ने जताई कड़ी नाराजगी

सभी अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने तथा अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

(जीएनएस)। प्रयागराज 20 जुलाई।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु अपर जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, विकास विभाग, कृषि विभाग, पुलिस विभाग, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, आपूर्ति एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए है। सोमवार को जनता दर्शन में जिला विकास अधिकारी, नगर निगम नोडल, मुख्य चिकित्साधिकारी नोडल व जिला आपूर्ति विभाग नोडल के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने तथा अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भविष्य में जनता दर्शन में निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे ताकि उनके विभाग से सम्बंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई व्यवस्था को प्रभावी एवं जनोन्मुख बनाये रखने के लिए नियमित निगरानी की जायेगी तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा आज सोमवार को प्रातः 10:30 बजे कार्यालय का औचक निरीक्षण कर उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया। उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में कलेक्ट्रेट के 25 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये, जिसपर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। उन्होंने सभी अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने तथा अनुपस्थित रहने का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति एवं अनुशासन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये तथा बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाये। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए है। साथ ही कहा कि जनसामान्य से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार्य नहीं की जायेगी। उन्होंने कार्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं कार्यकुशलता बनाये रखने के लिए अपर जिलाधिकारियों को समय-समय पर औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए है।

प्रशासन के आश्वासन पर भाकियू भानु का मुख्यमंत्री दरबार जाने का कार्यक्रम स्थगित

सीओ सिटी व एसडीएम ने किसानों की समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा, एक सप्ताह का दिया समय

(जीएनएस)। पीलीभीत, भारतीय किसान यूनियन (भानु) का किसानों की समस्याओं को लेकर प्रस्तावित गोरखपुर स्थित मुख्यमंत्री दरबार जाने का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। संगठन ने यह निर्णय जिला प्रशासन द्वारा किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन मिलने के बाद लिया।

सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (भानु) के प्रतिनिधिमंडल को सीओ सिटी पीलीभीत एवं उपजिलाधिकारी श्रद्धा सिंह ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया। बैठक के दौरान दोनों अधिकारियों ने किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए आवश्यक कार्रवाई कराने का भरोसा दिलाया।

भाकियू (भानु) के जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने कहा कि संगठन किसानों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि प्रशासन के अनुरोध पर मुख्यमंत्री दरबार जाने का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित किया गया है। यदि एक सप्ताह के भीतर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन अपने पूरे दलबल के साथ गोरखपुर स्थित मुख्यमंत्री दरबार पहुंचने को बाध्य होगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

बेराखांनपुर में 'बहू-बेटी सम्मेलन' आयोजित, मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को अधिकारों व सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

(जीएनएस)। बिल्हौर कानपुर

बिल्हौर। अरौल थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेराखांनपुर में रविवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत 'बहू-बेटी सम्मेलन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, छात्राओं, आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कानूनी अधिकारों तथा साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश तथा अपर पुलिस उपायुक्त महिला अपराध, कमिश्नरेट कानपुर नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी अरौल के नेतृत्व में आयोजित हुआ। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी महिला उपनिरीक्षक प्रीतांजलि ने महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा संबंधी सरकारी योजनाओं, थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली तथा साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं से उनकी समस्याएं भी सुनी गईं। छात्राओं एवं युवतियों को बताया गया कि यदि कोई उन्हें प्रताड़ित या परेशान करता है तो वे बिना संकोच मिशन शक्ति केंद्र अथवा थाना अरौल के सीयूजी नंबर पर तत्काल सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

वक्ताओं ने कहा कि "बेटियां हमारा गुरूर हैं, बहुएं हमारा अभिमान; बेटियां हमारा कल हैं, तो बहुएं हमारा आज।" इसी भावना के साथ आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति एवं दहेज उत्पीड़न जैसी घटनाओं में कमी लाना तथा युवतियों को जल्दबाजी में लिए जाने वाले निर्णयों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना है।

अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय रामनगर को पत्र लिखकर उपभोक्ताओं को राहत दिये जाने की मांग

(जीएनएस)। मसौली बाराबंकी। रात्रि के समय कोड़ के आधार पर होने वाली अघोषित विद्युत कटौती को बंद करने के लिए उपखंड मसौली उपकेन्द्र के विद्युत उपखंड अधिकारी सुएब जमाल ने अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय रामनगर को पत्र लिखकर उपभोक्ताओं को राहत दिये जाने की मांग की है ।

अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय रामनगर को दिए गये पत्र में विद्युत उपखंड अधिकारी सुएब जमाल ने बताया कि वर्तमान समय में गर्मी व आंधी बारिश के कारण लगभग लाइनें फाल्ट होती रहती हैं, जिसके बाद पारेषण द्वारा कोड भेजकर रात्रि में आपातकालीन रोस्टिंग करायी जाती है, जिसके कारण विद्युत उपकेंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, किसान संगठनों व आम जनमानस के रोष का सामना करना पड़ता है। जिसको लेकर गत 8 जुलाई को पत्र देकर मसौली उपकेन्द्र का वोल्टेज बढ़ाने के लिए कैपेसिटर बैंक को चालू कराया गया तथा 132 के०वी० परेषण उपकेन्द्र, चन्दौली से टेप भी बढ़वाया गया तथा सैदनपुर, चौखण्डी, करमुल्लापुर में 250 के०वी०ए० के 2 परिवर्तक तथा 100 के०वी०ए० का 1 परिवर्तक 08बी. लोन पर लगवाया गया था।

विद्युत उपखंड अधिकारी ने बताया कि उपकेन्द्र मसौली पर 11 के०वी० के 7 फीडर व 1 सबस्टेशन फीडर है विद्युत उपकेन्द्र मसौली पर 10टश्अ की क्षमता के 2 पावर परिवर्तक स्थापित हैं लेकिन विद्युत उपकेन्द्र मसौली पर 33 के०वी० लाईन का केवल 1 स्रोत है विद्युत उपकेन्द्र मसौली पर 24560 उपभोक्ता हैं, जो कि उ०प्र० पावर कारपोरेशन द्वारा निर्धारित मानक से बहुत अधिक है वहीं विद्युत वितरण उपखण्ड, मसौली के अन्तर्गत कुल 63869 उपभोक्ता है जो मानक से अधिक है।

विद्युत उपकेन्द्र पर उपरोक्त व्यवस्था होने के उपरान्त भी गर्मी व आंधी बारिश के कारण लगभग लाइनें फाल्ट आते रहते हैं, जिसके बाद भी पारेषण द्वारा कोड भेजकर रात्रि में आपातकालीन रोस्टिंग करायी जाती है। जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी दिक्कत होती हैं विद्युत उपखंड अधिकारी सुएब जमाल ने समस्या को संज्ञान में लेते हुए 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र, मसौली को 132 के०वी० परेषण उपकेन्द्र, चन्दौली से रोस्टिंग मुक्त कराकर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति प्रदान कराए जाने की मांग की है जिससे उपभोक्ताओं को ग्रामीण रोस्टिंग के अनुसार विद्युत आपूर्ति की जा सके ।

पंजीकृत फर्मों को छोड़ निजी खाते में फॉगिंग का भुगतान, सुजनी ग्राम पंचायत में अनियमितता के आरोप

(जीएनएस)। बीसलपुर (पीलीभीत),

विकासखंड बीसलपुर की ग्राम पंचायत सुजनी में विकास कार्यों के भुगतान को लेकर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों के नाम पर नियमों की अनदेखी करते हुए कुछ निजी व्यक्तियों के खातों में भुगतान किया गया, जिससे सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत में फॉगिंग (दवा छिड़काव) का कार्य किसी पंजीकृत फर्म या अधिकृत एजेंसी से कराया जाना चाहिए। आरोप है कि इसके विपरीत प्रधान और सचिव की मिलीभगत से गांव के ही एक निजी व्यक्ति के बैंक खाते में फॉगिंग के नाम पर भुगतान कर दिया गया। जबकि विकासखंड स्तर पर इस प्रकार के कार्यों के लिए पंजीकृत फर्म उपलब्ध हैं।

आरोप यह भी है कि फॉगिंग के अलावा नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग, नल मरम्मत, स्ट्रीट लाइट मरम्मत तथा पेंटिंग जैसे विकास कार्यों के नाम पर भी कई निजी खातों में भुगतान किया गया। ग्रामीणों के अनुसार जिन लोगों के खातों में राशि भेजी गई, उनमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल हैं जिनका निर्माण कार्य, मिस्त्री या मजदूरी से कोई संबंध नहीं है। कोई कपड़े का व्यवसाय करता है तो कोई परचून की दुकान संचालित करता है। इसके बावजूद उनके खातों में विकास कार्यों के भुगतान दर्शाकर सरकारी धन हस्तांतरित किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि भुगतान वास्तव में कार्य करने वाले पंजीकृत ठेकेदार, फर्म या संबंधित श्रमिकों के बजाय अन्य व्यक्तियों के खातों में किया गया है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि संबंधित बैंक खातों, भुगतान अभिलेखों, कार्यस्थलों और माप पुस्तिका (एमबी) की जांच से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पंचायतीराज विभाग से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

हरिदास चंद्र कौन? बांग्लादेश में भगवान राम की प्रतिमा बनाने पर क्यों हुए अरेस्ट

(जीएनएस)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा निर्माण से जुड़े हरिदास चंद्र तरणी दास की गिरफ्तारी के बाद हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय सड़कों पर उतर आए हैं।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने प्रतिमा निर्माण रोकने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा मामला बनाया है, जबकि पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच के आधार पर हुई है। इस पूरे विवाद पर भारत ने भी चिंता जताते हुए बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

ढाका के नेशनल प्रेस क्लब के बाहर 'बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद' के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने हरिदास चंद्र तरणी दास की तत्काल रिहाई की मांग की और सरकार पर धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने कहा कि पिछले दो वर्षों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और झूठे मुकदमों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। उनका दावा है कि हरिदास की गिरफ्तारी भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

ये भी पढ़ें: कौन हैं कथ्र पूजा कुमारी झा, ढाका में दिखाया भारत का गलत नक्शा तो तुरंत किया विरोध,अब क्यों हो रही है चर्चा? बांग्लादेश के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (उक्ऊ) के अनुसार हरिदास को करीब 9.35 करोड़ टका के संदिग्ध लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसी ने उनके भारत आने-जाने और धर्म परिवर्तन से जुड़े दावे भी किए हैं। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने इन आरोपों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया है। उनका कहना है कि पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा और मंदिर निर्माण को रोकने के लिए प्रशासन ने यह कार्रवाई की है।

गाइबांधा में भगवान राम की तस्वीर के कथित अपमान के बाद हिंदू संगठनों का विरोध और तेज हो गया। 'संयुक्त सनातनी समाज' ने ढाका के शाहबाग इलाके में मशाल जुलूस और मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने सरकार के सामने आठ प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें अल्पसंख्यक सुरक्षा आयोग का गठन, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और भगवान राम की तस्वीर का अपमान करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग शामिल है।

बांग्लादेश में बढ़ते विवाद पर भारत सरकार ने भी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों के अपमान की खबरें चिंताजनक हैं।

प्रधान प्रतिनिधि अतुल सिंह ने पेश की मिसाल पंचायत भवन को बनाया युवाओं के भविष्य का सहारा

सचिव अतुल गंगवार का रहा विशेष सहयोग आधुनिक सुविधाओं से लैस पंचायत भवन

(जीएनएस)।

पुरनपुर पीलीभीत#

जनपद पीलीभीत की तहसील पूरनपुर की ग्राम पंचायत बागर के प्रधान प्रतिनिधि अतुल सिंह एवं ग्राम पंचायत अधिकारी अतुल गंगवार के समन्वय ने एक नई मिसाल पेश की इन दोनों लोगों के अपनी कल्पना के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से ग्राम पंचायत में आधुनिक सुविधाओं से लैस पंचायत भवन का निर्माण कराया जो कि अपने आप में एक मिसाल पेश करता है पंचायत भवन में सोलर सिस्टम इनवर्टर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है बच्चों के लिए लाइब्रेरी वाई-फाई सिस्टम कंप्यूटर लैब आदि सुविधाएं युवा पीढ़ी एवं तैयारी करने वाले नवयुवकों के लिए विशेष सुविधा की व्यवस्था की गई है यहां पर केवल ग्राम पंचायत बागर के ही नहीं बल्कि पड़ोस की भी कई ग्राम पंचायत के विद्यार्थी बच्चे पहुंच कर अपना अध्ययन कार्य करते हैं आपको बताते चलें यह क्षेत्र पिछड़े क्षेत्र के अंतर्गत आता है यह 94 गांव जिला शाहजहांपुर में थे उस समय भी जिले की पहुंच से दूर थे और आज जनपद पीलीभीत में जुड़े हुए हैं तो भी जनपद से लगभग 70 किलोमीटर की दूरी पर है जिस कारण यहां का समुचित

विकास नहीं हो पा रहा है बच्चों के लिए इंटरनेट की सुविधा क्षेत्र में नहीं मिल पा रही है प्रधान प्रतिनिधि अतुल सिंह का अपना सपना है कि हमारे ग्राम पंचायत एवं पास पड़ोस की ग्राम पंचायत के बच्चे जो कई प्रकार की तैयारी करते हैं हम अपने कार्यकाल में उनको एक ऐसी सुविधा देंगे जो उनके भविष्य के लिए वरदान साबित होगी और उन्होंने ऐसा कर दिखाया सारी सुविधाओं से लैस यह पंचायत भवन पास पड़ोस के अन्य प्रधानों को भी यह सीख देता है कि हम तमाम प्रकार के विकास तो कर रहे हैं लेकिन हमारे गांव की आने वाली पीढ़ी आने वाला भविष्य हमारे अध्यनरत बच्चे हैं उनकी सुविधा का ध्यान रखते हुए यदि हम अपने गांव में यह व्यवस्था कर देते हैं तो हमारे गांव के होनहार बच्चे अपने भविष्य को बना सकते हैं प्रधान अतुल सिंह से वार्ता की गई उन्होंने अपना सपना बताते हुए कहा कि हमने राजनीति करने के लिए प्रधानी का चुनाव नहीं लड़ा बल्कि अपनी ग्राम पंचायत का विकास करने के लिए चुनाव लड़ा और गांव की जनता ने मुझे प्रधान चुना इसके लिए मैं सबका धन्यवाद देता हूं और यदि मुझे आगे फिर मौका मिला तो मैं वह काम करके दिखाऊंगा जो लोगों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा हमारा विशेष सपना है हमारे गांव के युवा बच्चे पढ़ें और आगे बढ़े उनको जहां पर भी जिस तरह की जरूरत है मैं तन मन धन से उनके साथ खड़ा रहूंगा उनका सहयोग करूंगा

मलिहाबाद पुलिस ने दहेज उत्पीड़न केस के 2 वारंटी किए गिरफ्तार

पिता-पुत्र को गैर जमानती वारंट पर घर से पकड़ा

(जीएनएस)।

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के 2022 में दर्ज एक मामले में वांछित चल रहे पिता-पुत्र को गैर जमानती वारंट के आधार पर मलिहाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को उनके घर से दबिश देकर पकड़ा। दोनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। यह मामला वर्ष 2022 में दर्ज किया गया था। माननीय न्यायालय ने दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट ठइह जारी किया था। लंबे समय से फरार चलने के कारण पुलिस ने कार्रवाई की गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने नियमानुसार दोनों को न्यायालय में पेश कर के आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वारंटी और वांछित अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जिला गन्ना अधिकारी ने सबलपुर में किया गन्ना सर्वे-सट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण

किसानों से समय से संशोधन कराने की अपील, विभागीय अधिकारी रहे मौजूद।

(जीएनएस)।

पीलीभीत/पूरनपुर। किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर के अंतर्गत ग्राम सबलपुर में आज जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत द्वारा ग्राम स्तरीय गन्ना सर्वेझसट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य गन्ना अधिकारी पूरनपुर,सर्किल प्रभारी एवं विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रदर्शन स्थल पर लगे सर्वे-सट्टा रजिस्टर और अन्य अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन किया।

जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे अपने सर्वे-सट्टा में अंकित सभी विवरणों जैसे रकबा, प्रजाति, खसरा संख्या आदि का सावधानीपूर्वक अवलोकन करें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि है तो उसका आवश्यक संशोधन समय से सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि सही और समय पर संशोधन होने से किसानों को पेराई सत्र में भुगतान और अन्य योजनाओं का लाभ लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

मुख्य गन्ना अधिकारी पूरनपुर ने किसानों को गन्ने की उन्नत खेती, समय से बुवाई और विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों की समस्याएं सुनीं और उनका समाधान करने का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0, सीएम डैशबोर्ड कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक हुयी सम्पन्न

प्राप्त सन्दर्भों का गुणवत्तापरक निस्तारण करने के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने एवं फीडबैक में सुधार लाये जाने व सीएम डेशबोर्ड राजस्व से सम्बन्धित समीक्षा बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्व विभाग में आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों की विस्तृत समीक्षा कर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का गुणवत्तापरक एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाये ' उन्होंने सभी

अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं जनसामान्य के शिकायतों के निस्तारण के प्रति उनकी संतुष्टि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

इसके साथ ही राजस्व कार्यों एवं कर-करेत्तर की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अंश निर्धारण, भूमि पैमाइश, पट्टा आवंटन, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, स्वामित्त योजना, नामांतरण, आडिट, खनिज, दाखिल खारिज, विरासत प्रकरण, पेंशन प्रकरण, राजस्व वाद, पीएम स्वानिधि योजना, कुर्रा बटवारा की समीक्षा कर प्रकरणों का ससमय निस्तारण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

14 साल की उम्र में स्कूल छोड़ने वाले इस डिलीवरी बॉय कौन? चीन ने दिया सबसे बड़ा साहित्यिक पुरस्कार

(जीएनएस)।

चीन में फूड डिलीवरी का काम करने वाले 56 वर्षीय वांग जिबिंग ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी पेशे की मोहताज नहीं होती। आर्थिक तंगी के कारण कम उम्र में पढ़ाई छोड़ने वाले वांग आज चीन के सबसे प्रतिष्ठित लू शुन साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किए गए हैं।

उनके कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' को यह सम्मान मिला है, जिसमें उन्होंने लाखों फूड डिलीवरी राइडर्स के संघर्ष, अपमान, उम्मीद और मेहनत को शब्द दिए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने अपनी कई कविताएं डिलीवरी के बीच मिले कुछ मिनटों के खाली समय में कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर लिखीं।

वांग जिबिंग का जन्म चीन के जियांगसू प्रांत में हुआ। आर्थिक तंगी के चलते उन्हें महज 14 साल की उम्र में स्कूल छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने निर्माण मजदूर, कबाड़ बीनने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने जैसे कई छोटे-मोटे काम किए। वर्ष 2019 के आसपास वह फूड डिलीवरी राइडर बने। कठिन परिस्थितियों के बावजूद किताबें पढ़ने और कविताएं लिखने का उनका जुनून कभी खत्म नहीं हुआ, जिसने आखिरकार उन्हें देश के सबसे बड़े साहित्यिक मंच तक पहुंचा दिया।

कस्टमर की फटकार से जन्मी कविता, सोशल मीडिया पर मिली पहचान

साल 2019 में एक ग्राहक के गलत पते के कारण वांग को कई इमारतों में भटकना पड़ा और 18 मंजिल तक सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं। जब वह खाना लेकर पहुंचे तो ग्राहक ने देर होने पर उन्हें डांट दिया। इस घटना से आहत होकर उन्होंने 'मैन इन ए हरी' कविता लिखी। 2022 में यह कविता सोशल मीडिया पर वायरल हुई और लाखों लोगों ने इसमें डिलीवरी कर्मियों की वास्तविक जिंदगी का दर्द महसूस किया। यहीं से उनका साहित्यिक सफर शुरू हुआ।

राज्यमंत्री की अध्यक्षता में जलभराव, साफ-सफाई एवं विद्युत आपूर्ति के सम्बन्ध में बैठक हुई सम्पन्न

(जीएनएस)।

पीलीभीत, राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उ0प्र0 संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में गांधी सभागार में नगर निकायों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से बचाव, साफ-सफाई व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, नाला सफाई एवं अन्य अव्यवस्थाओं से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत एवं नगर पालिका पीलीभीत, नगर पंचायत जहानाबाद, गुलडिया भिंडारा एवं नौगवां पकड़िया के अधिकारियों/कार्मिकों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में राज्यमंत्री ने नगर पंचायतवार नाला सफाई की स्थिति, नई गौशालाओं के निर्माण की प्रगति तथा विभिन्न वार्डों में जलभराव की संभावित स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि बरसात के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव की समस्या न होने पाए। उन्होंने अधूरे सड़क निर्माण

कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, पार्कों एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्यों में तेजी लाने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री ने नाला सफाई कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि सभी निकाय सफाई कार्यों की निरंतर निगरानी करें और जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु रखें।

बैठक में सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार जुमार्ना लगाने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही उन्होंने कहा कि नगर निकायों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों का किसी भी प्रकार का उत्पीड़न न हो तथा उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के सम्बन्ध में जानकारी ली, अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिए खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल ठीक कराया जाये, रोड के किनारे पेड़ों की टहनियां को छटनी कराई जाए, जिससे कि विद्युत आपूर्ति सुचारू से आपूर्ति हो सके।

बैठक में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापक स्तर साफ-सफाई अभियान चलाया जाए तथा विद्युत सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक कार्य समय से पूर्ण किए जाएं। बैठक के अन्त में जिलाधिकारी ने मंत्री जी आश्स्त करते हुये कहा कि आपके द्वारा दिए गए निदेशों का अक्षरशः अनुपालन कराया जायेगा।

राहुल गांधी के साथ दिखे 3 बच्चे कौन हैं? विदेश वाले वीडियो ने मचा दिया बवाल, आखिर सच क्या है?

(जीएनएस)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक बार फिर सोशल मीडिया की सुर्खियों में हैं। इस बार वजह कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि विदेश में रिकॉर्ड हुआ एक वीडियो है। वीडियो में राहुल गांधी तीन बच्चों के साथ बेहद सहज अंदाज में समय बिताते और खेलते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर सवालों और दावों की बाढ़ आ गई।

राहुल गांधी लंबे समय से भारत के सबसे चर्चित और सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले अविवाहित नेताओं में गिने जाते हैं। ऐसे में बच्चों के साथ उनका यह वीडियो वायरल होते ही

लोगों की जिज्ञासा और बढ़ गई। कई यूजर्स पूछने लगे कि आखिर ये बच्चे कौन हैं और राहुल गांधी इनके साथ कहां हैं।

अभी हाल ही में 22 जून से 13 जुलाई के बीच हुई उनकी विदेश यात्रा पर बीजेपी ने कई सवाल खड़े किए थे। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो उसी हालिया दौरे का है। हालांकि ना तो इस वीडियो की कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है और ना ही कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने आया है।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंटा दिखाई दिया। कुछ यूजर्स और बीजेपी समर्थकों ने दावा किया कि वीडियो में दिख रहे बच्चे राहुल गांधी के अपने परिवार से जुड़े हैं और वह इसे सार्वजनिक नहीं करते। कुछ पोस्ट में तो वीडियो को अक से बनाया गया बताने की भी कोशिश की गई।

वहीं कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने इन दावों को खारिज किया। उनका कहना है कि वीडियो में दिखाई दे रहे बच्चे राहुल गांधी के एक करीबी दोस्त के परिवार के हैं। उनका यह भी कहना है कि वायरल पोस्ट में लगाए जा रहे आरोपों का कोई प्रमाण नहीं है।

कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि यह वीडियो विदेश का नहीं, बल्कि जून 2026 की शुरूआत में राहुल गांधी के अंडमान और निकोबार दौरे का है।

उनके मुताबिक बीजेपी आईटी सेल इस वीडियो को अलग संदर्भ में पेश कर रही है और बच्चों को लेकर गलत दावे कर रही है।

एक वायरल पोस्ट में लिखा गया है,"यह वीडियो अंडमान दौरे का बताया जा रहा है, लेकिन इसे विदेश यात्रा से जोड़कर भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं।" एक यूजर ने दावा किया, "ये वीडियो राहुल गांधी की है, जो जून 2026 की शुरूआत में उनके अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दौरे के दौरान का वीडियो है। बीजेपी आईटी सेल ये वीडियो ये कह कर फैला रहा कि ये बच्चा उनका है।

पीड़ित ने बिनावर थाने पर तैनात हेड कांस्टेबल कामिल पासा पर लगाए गंभीर आरोप: समझौता न करने पर पीड़ित को उल्टा हवालात में बंद कर 151 में कर दिया चालान

(जीएनएस)।

जनपद बदायूं के थाना बिनावर क्षेत्र के गांव करतोली में दो पक्षों में हुए विवाद में एक महिला व दो बच्चे घायल हुए। इस दौरान पीड़ित महिला के पति जय लाल कश्यप पुत्र रामनाथ ने बताया कि 17 जुलाई 2026 समय लगभग शाम के 3:00 बजे खेमकरन पुत्र रामपाल, मीरा पत्नी खेमकरन, सपना पुत्री खेमकरन अपने किसी मनमुटाव को लेकर पीड़ित महिला रितु के घर काली गलौज करते हुए आए, तो पीड़ित महिला रितु ने जब गाली गलौज का विरोध किया तो उक्त लोगों

ने रितु व रितु के पुत्र अमित व सुमित के साथ लाठी- डंडों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने थाना बिनावर पुलिस को शिकायत प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इस संबंध में पीड़ित महिला के पति जय लाल कश्यप ने बिनावर थाना में तैनात हेड कांस्टेबल कामिल पासा पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब पीड़ित अपनी पत्नी रितु का मेडिकल कराने घटपुरी अस्पताल पहुंचे तो उक्त हेड कांस्टेबल कामिल पासा ने घायल महिला के पति को फोन कॉल के माध्यम से थाने बुलाकर समझौता कराने का दबाव बनाया, जब पीड़ित ने जय लाल ने फैसला करने से इनकार कर दिया तो हेड कांस्टेबल कामिल पासा ने पीड़ित महिला रितु के पति जय लाल कश्यप को ही उल्टा हवालात में बंद कर 151 में चालान कर दिया। इस संबंध में पीड़ित जय लाल कश्यप ने बताया कि वह बदायूं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा से इस मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगा।

बलूच लीडर मौलवी अनवर रीगी ईरान में गिोली मारकर हत्या

(जीएनएस)।

ईरान के मिजार्वेह शहर में सुन्नी समुदाय के प्रमुख धर्मगुरु मौलवी मोहम्मद अनवर रीगी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह हमला अली इब्न अबी तालिब मस्जिद के पास उस समय हुआ, जब स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 4 बजे का वक्त था।

प्रांतीय प्रशासन ने इसे आतंकी हमला बताया है और कहा है कि अज्ञात हथियारबंद हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हमले के समय और तरीके को लेकर कई तरह की चचाएँ भी शुरू हो गई हैं।

कौन थे मौलवी मोहम्मद अनवर रीगी?

मौलवी मोहम्मद अनवर रीगी ईरान के बलूचिस्तान प्रांत के मिजार्वेह शहर में सुन्नी समुदाय के बड़े धार्मिक नेता थे। वे अली इब्न अबी तालिब मस्जिद के इमाम-ए-जुम्मा थे और बलूच समुदाय में उनकी अच्छी पहचान थी। वे लंबे समय से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए थे। स्थानीय लोगों के बीच उनका प्रभाव माना जाता था और वे सुन्नी समुदाय की प्रमुख आवाजों में शामिल थे।

कैसे हुआ हमला?

जानकारी के अनुसार, तड़के करीब 4 बजे मौलवी अनवर रीगी मस्जिद के पास मौजूद थे। तभी अज्ञात हथियारबंद लोगों ने उन पर अचानक गोलियां चला दीं। गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर घटना के बाद फरार हो गए। प्रशासन ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि हमले के पीछे शामिल लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

पहले भी हो चुका था जानलेवा हमला

यह मौलवी मोहम्मद अनवर रीगी पर पहला हमला नहीं था। दिसंबर 2024 में भी उन पर गोलीबारी की गई थी, लेकिन उस समय वे सुरक्षित बच गए थे।